labelling and packaging and relevant laws, Legal Metrology

By
Dr. Santosh Kumar Lal
Dept. of Commerce
Sariya College, Suriya

Labelling

Labelling means providing important information about a product on its package or label. A label helps consumers identify the product, understand its quantity, price, origin, manufacturer and other relevant information before making a purchase.

- A good label should be:
- Clear and easy to read.
- Accurate and truthful.
- Not misleading or deceptive.
- Durable and prominently displayed.
- Helpful in making an informed purchasing decision.

For pre-packaged commodities, the Legal Metrology framework requires several important declarations, including the manufacturer's/packer's/importer's details, commodity name, net quantity, MRP, consumer-care details and other applicable information.

लेबलिंग

लेबलिंग (Labelling) का अर्थ है किसी वस्तु के पैकेज या लेबल पर उपभोक्ता के लिए आवश्यक जानकारी प्रदान करना। लेबल के माध्यम से उपभोक्ता वस्तु का नाम, मात्रा, कीमत, निर्माता, आयातक, निर्माण आदि से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकता है।

- एक अच्छा लेबल:
- स्पष्ट और आसानी से पढ़ने योग्य होना चाहिए।
- सही एवं सत्य जानकारी देना चाहिए।
- उपभोक्ता को भ्रमित नहीं करना चाहिए।
- टिकाऊ और उचित स्थान पर होना चाहिए।
- उपभोक्ता को सही खरीदारी का निर्णय लेने में सहायता करना चाहिए।

Packaging

Packaging is the process of enclosing or protecting a product in a suitable container, wrapper, box, bottle, pouch or other material for storage, transportation, distribution and sale.

Main objectives of packaging

- To protect the product from damage and contamination.
- To maintain quality and safety.
- To facilitate storage and transportation.
- To provide information through labelling.
- To make the product convenient to handle.
- To prevent quantity manipulation and unfair trade practices.
- To attract consumers while providing truthful information.

पैकेजिंग

पैकेजिंग (Packaging) का अर्थ किसी वस्तु को बोतल, डिब्बे, पाउच, रैपर, कंटेनर आदि में इस प्रकार रखना है कि वस्तु सुरक्षित रहे और उसका भंडारण, परिवहन तथा बिक्री आसानी से हो सके।

पैकेजिंग के मुख्य उद्देश्य

- वस्तु को क्षति और प्रदूषण से बचाना।
- वस्तु की गुणवत्ता और सुरक्षा बनाए रखना।
- भंडारण एवं परिवहन को आसान बनाना।
- लेबल के माध्यम से आवश्यक जानकारी देना।
- वस्तु को संभालना आसान बनाना।
- मात्रा में धोखाधड़ी और अनुचित व्यापार व्यवहार को रोकना।
- उपभोक्ता को आकर्षित करना, लेकिन गलत जानकारी दिए बिना।

Legal Metrology

Legal Metrology refers to the application of legal requirements to measurements and measuring instruments. Its main objective is to ensure accuracy and protect consumers in matters relating to weights and measurements.

The principal legislation is the **Legal Metrology Act, 2009**, which came into force on **1 April 2011**. The Department of Consumer Affairs is the nodal agency for its implementation.

विधिक मापविज्ञान

विधिक मापविज्ञान (Legal Metrology) का अर्थ माप और मापने वाले उपकरणों पर कानूनी आवश्यकताओं का लागू होना है। इसका मुख्य उद्देश्य वजन और माप में **शुद्धता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करना तथा उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना** है।

इससे संबंधित प्रमुख कानून है:

- **Legal Metrology Act, 2009 — विधिक मापविज्ञान अधिनियम, 2009**
- यह अधिनियम **1 अप्रैल 2011** से लागू हुआ।

Legal Metrology (Packaged Commodities) Rules, 2011

- The **Legal Metrology (Packaged Commodities) Rules, 2011** regulate declarations made on pre-packaged commodities.
- A **pre-packaged commodity** is essentially a commodity placed in a package, without the purchaser being present, with a predetermined quantity.
- **Legal Metrology (Packaged Commodities) Rules, 2011** पैकेज में पहले से रखी गई वस्तुओं पर आवश्यक घोषणाओं और माप-संबंधी जानकारी को नियंत्रित करते हैं।
- **Pre-packaged commodity (पूर्व-पैक वस्तु)** का अर्थ ऐसी वस्तु से है जिसे खरीदार की उपस्थिति के बिना किसी पैकेज में रखा गया हो और जिसकी मात्रा पहले से निर्धारित हो।

Mandatory Declarations on Packaged Commodities
पैकेज पर आवश्यक घोषणाएँ

Name and address of manufacturer/packer/importer	निर्माता/पैकर/आयातक का नाम और पता
Country of origin for imported products	आयातित वस्तु के लिए मूल देश
Common/generic name of commodity	वस्तु का सामान्य/जेनेरिक नाम
Net quantity	शुद्ध मात्रा
Month and year of manufacture	निर्माण का महीना और वर्ष
Best before/Use by date, where applicable	जहाँ लागू हो, Best Before/Use By तिथि
Maximum Retail Price (MRP), inclusive of applicable taxes	अधिकतम खुदरा मूल्य (MRP), लागू करों सहित
Consumer-care details	उपभोक्ता सेवा/शिकायत संबंधी विवरण
Dimensions, where relevant	जहाँ आवश्यक हो, वस्तु के आयाम
Unit Sale Price	प्रति इकाई बिक्री मूल्य

MRP — अधिकतम खुदरा मूल्य

MRP (Maximum Retail Price) is the maximum retail price declared on the package, subject to the applicable legal requirements. It is an important piece of information because it allows consumers to know the maximum price at which the packaged commodity may be sold to the consumer under the applicable rules.

- **MRP (Maximum Retail Price)** अर्थात **अधिकतम खुदरा मूल्य** वह अधिकतम खुदरा मूल्य है जो पैकेज पर घोषित किया जाता है और जो लागू कानूनी प्रावधानों के अधीन होता है।
- MRP उपभोक्ता के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे उसे वस्तु की कीमत के संबंध में पारदर्शी जानकारी मिलती है।

Net Quantity — शुद्ध मात्रा

Net quantity tells the consumer how much actual product is contained in the package. It should be expressed using the prescribed standard units of weight, measure or number, as applicable.

For example:

- 1 kg
- 500 g
- 1 litre
- 500 ml
- 10 pieces

शुद्ध मात्रा (Net Quantity) से उपभोक्ता को यह पता चलता है कि पैकेज में वास्तविक रूप से कितनी वस्तु है। इसे लागू मानक वजन, माप या संख्या की इकाइयों में घोषित किया जाता है।

उदाहरण:

- 1 किलोग्राम
- 500 ग्राम
- 1 लीटर
- 500 मिलीलीटर
- 10 नग

Best Before and Use By — Best Before एवं Use By

For commodities that may become unfit for human consumption after a certain period, the applicable **best-before/use-by information** must be provided according to the relevant legal requirements.

ऐसी वस्तुएँ जो कुछ समय के बाद मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त हो सकती हैं, उनके लिए लागू नियमों के अनुसार **Best Before/Use By** संबंधी जानकारी देना आवश्यक होता है।

Consumer Protection Aspect — उपभोक्ता संरक्षण

- Labelling and packaging are directly connected with **consumer rights**. Correct information enables consumers to compare products and make informed choices.
- Incorrect quantity, false declarations, misleading labels or improper pricing information can adversely affect consumers and may attract action under applicable laws.
- लेबलिंग और पैकेजिंग का **उपभोक्ता संरक्षण** से सीधा संबंध है। सही जानकारी मिलने से उपभोक्ता विभिन्न वस्तुओं की तुलना करके उचित निर्णय ले सकता है।
- गलत मात्रा, गलत घोषणा, भ्रामक लेबल या कीमत संबंधी गलत जानकारी उपभोक्ता के हितों को नुकसान पहुँचा सकती है और लागू कानूनों के अंतर्गत कार्रवाई का आधार बन सकती है।

Important Laws — महत्वपूर्ण कानून

For an exam answer, remember these major legal frameworks:

- **Legal Metrology Act, 2009 विधिक मापविज्ञान अधिनियम, 2009** — weights, measures and related legal requirements. **C**Consumer Affairs
- **Legal Metrology (Packaged Commodities) Rules, 2011 विधिक मापविज्ञान (पैकेज्ड कमोडिटीज) नियम, 2011** — declarations and requirements for applicable pre-packaged commodities.
- **Legal Metrology (General) Rules, 2011 विधिक मापविज्ञान (सामान्य) नियम, 2011** — specifications and verification of various weighing and measuring instruments. **C**Consumer Affairs
- **Consumer Protection Act, 2019 उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019** — provides the broader framework for protection of consumer interests, including protection against unfair practices and misleading information.

Labelling and packaging are important consumer-protection measures. Packaging protects the product, while labelling provides essential information such as the name of the commodity, manufacturer/packer/importer details, net quantity, MRP, country of origin, relevant date information and consumer-care details. In India, these requirements are primarily governed by the **Legal Metrology Act, 2009** and the **Legal Metrology (Packaged Commodities) Rules, 2011**. Their purpose is to ensure accuracy in weights and measures, transparency in pricing and adequate information for consumers.

लेबलिंग और पैकेजिंग उपभोक्ता संरक्षण के महत्वपूर्ण साधन हैं। पैकेजिंग वस्तु को सुरक्षित रखती है, जबकि लेबलिंग के माध्यम से वस्तु का नाम, निर्माता/पैकर/आयातक का विवरण, शुद्ध मात्रा, MRP, मूल देश, लागू तिथि संबंधी जानकारी तथा उपभोक्ता सेवा विवरण जैसी महत्वपूर्ण जानकारी दी जाती है। भारत में इन आवश्यकताओं को मुख्य रूप से **Legal Metrology Act, 2009** तथा **Legal Metrology (Packaged Commodities) Rules, 2011** द्वारा नियंत्रित किया जाता है। इनका उद्देश्य वजन एवं माप में शुद्धता, मूल्य में पारदर्शिता और उपभोक्ताओं को सही जानकारी उपलब्ध कराना है।